फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत जिप्सम और प्रेसमड का वितरण

भाकृअनुप-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल ने कैथल जिले के कठवाड़, ग्योंग, मुंदड़ी और सांपली खेड़ी गांवों में चल रहे फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन गांवों के पानी में अवशिष्ट सोडियम कार्बोनेट जल एवम मृदा लवणता की समस्या है। इस मिट्टी को सुधारने और कृषि उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए 80 किसानों को लगभग 800 बैग जिप्सम और 150 टन प्रेसमड वितरित किए गए। फार्मर फर्स्ट परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. परवेंद्र श्योराण ने किसानों के साथ धान की पनीरी तैयार करने और बीमारियों तथा कीट प्रबंधन के बारे में चर्चा की। साथ ही किसानों को बेहतर आय के लिए बाजार संचालित कृषि पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए भी कहा गया। इसके साथ साथ किसानों को कोरोना की परिस्थितियों के चलते उचित सावधानियां बरतने एवं मास्क लगाने की हिदायत दी गयी।